भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1441
जिसका उत्तर मंगलवार, 03 मई, 2016 को दिया जाना है।

मेक इन इंडिया का विस्तार

1441. श्री हेमन्त तुकाराम गोडसे:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने मेक इन इंडिया/मेड इन इंडिया के विस्तार हेतु कार्य योजना बनायी है अथवा बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालयों जैसे रेल मंत्रलय के अंतर्गत विनिर्माण और उत्पादन बनाने हेतु कोई दिशानिर्देश जारी किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग द्वारा दी गई सूचना के अनुसार रेलवे, रक्षा, खान, पोत-परिवहन, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे अलग-अलग मंत्रालयों के अंतर्गत 22 सेक्टरों में 117 कार्रवाई योजनाएं मेक इन इंडिया के अंतर्गत निर्धारित की गई हैं, जिनका उद्देश्य विनिर्माण और उत्पादन को बढ़ावा देना है।

रेल मंत्रालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, रेल निर्माण, प्रचालन और रख-रखाव अधिकांशतः घरेलू स्रोतों द्वारा किया जाता है। तथापि, उन्नत सिग्नलिंग आदि जैसे विशिष्ट क्षेत्रों, जहां विदेशी प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है, में चरणबद्ध रूप में स्वदेशीकरण की नीति अपनाई जाती है। मेक इन इंडिया नीति के अनुसार, निम्नलिखित पहल की गई हैं:

- मरहौरा में डीजल लोकोमोटिव कारखाने की स्थापना के लिए मैसर्स जीई के साथ अनुबंध हस्ताक्षरित किया गया है।
- मधेपुरा, बिहार में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव कारखाने की स्थापना के लिए मैसर्स एल्स्टॉम के साथ अनुबंध हस्ताक्षरित किया गया है।

रेल मंत्रालय ने यह भी सूचित किया है कि निम्नलिखित अतिरिक्त परियोजनाओं से भविष्य में 'मेक इन इंडिया' के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी:

- मुंबई-अहमदाबाद के बीच हाई-स्पीड रेल परियोजना।
- कंचरापाड़ा, पश्चिम बंगाल में रेल कोच विनिर्माण इकाई।
- वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के लिए जेआईसीए ऋण के माध्यम से 200 (9000 अश्वशक्ति) इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स की अधिप्राप्ति।
- ईएमयू ट्रेन सेट की अधिप्राप्ति-सह-रखरखाव।
- राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड द्वारा रायबरेली में फोर्ज्ड व्हील फैक्ट्री की स्थापना।

****